Kulpi Workshop of Central Inland Water Transport Corporation Ltd., resumption of river services between Calcutta and Assam, higher training scheme at Calcutta, etc., have also been taken up. As a result of this, there has been a general improvement in the transport of Passengers and goods by waterways at different parts of the country. In the Fifth Five Year Plan, a provision of Rs. 40 crores (Rs. 26 crores for Central Schemes and Rs. 14 crores as loan assistance to the State Governments) has been made for development of inland water transport. The provision includes augmentation of fleet of Central Inland Water Transport Corporation Ltd., modernisation of Rajabagan Dockyard, running of river services on the Ganga, development and improvement of important waterways including ancillary facilities in the different States, scheme for providing loan assistance to private entrepreneurs for acquisition and modernisation of vessels, etc.

Enquiry into Bogus Seeds Firms

*16. SHRI RAGHUNANDAN LAL BHATIA:

SHRI P. GANGADEB:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to reports in the Press on 20th June, 1974 regarding "Imposters and bogus firms in seeds racket"; and

(b) if so, whether any inquiry has been made into this?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): (a) Yes, Sir.

(b) Out of the four specific instances quoted in the newspaper report, detailed reports have been called for from the Governments of Uttar Pradesh, West Bengal and Rajasthan in regard to the export of wheat and paddy from U.P. for seed purposes.

In regard to the third case relating to the activities of R. C. Sharma, the Tarai Development Corporation has confirmed that this person under various aliases was impersonating as authorised agent of G. B. Pant University/Tarai Development Corporation for the seeds produced by them. It has also been stated that he was apprehended by the police at Mhow (Madhya Pradesh) in September, 1973. A report on the result of investigations by the Police has been called for from the Government of Madhya Pradesh.

In regard to the 4th case regarding Onkar Singh Malik the Tarai Development Corporation have corroborated the details given in the newspaper report. The G. B. Pant University have lodged a complaint to the police and all the connected papers have been handed over to the Superintendent of Police, Gorakhpur. A detailed report on the result of the investigations carried out by the police has been called for from the Government of Uttar Pradesh.

उर्वरकों के मूल्य में वृद्धि का आधार और उर्वरकों में आत्म-निर्भरता

*17. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**

श्री सरजू पांडे :

क्या **कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने उर्वरकों के मूल्यों में किस आधार पर वृद्धि की है ;

(ख) अन्य देशों से उर्वरकों का आयात किन मूल्यों पर किया गया है ;

(ग) उन उर्वरकों का किसानों को विक्रय किस मूल्य पर किया गया था ; और

(घ) देश उर्वरकों के मामले में आत्म-निर्भरता कब तक प्राप्त कर लेगा ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क) उर्वरकों के मूल्यों में हाल में जो वृद्धि की गई है, वह आयातित उर्वरकों की लागत में वृद्धि और देश में उर्वरकों की बढ़ी हुई लागत को ध्यान में रखकर की गई है।

(ख) चालू वर्ष के दौरान अन्य देशों से जिन दरों पर निम्नलिखित प्रमुख उर्वरकों का आयात किया जा रहा है, वे इस प्रकार हैं :—

उर्वरकों का नाम	भाड़ा समेत लागत (रुपये प्रति मीटरी टन)
यूरिया	2233 से 2708 तक
अमोनियम सल्फेट	974 से 1967 तक
कैलशियम अमोनियम नाइट्रेट (26 प्रतिशत एन)	1850 से 1985 तक
मूरेट आफ पोटाश	741,937
अमोनियम नाइट्रेट-फॉस्फेट	1664
डाइ-अमोनियम फॉस्फेट	2120

यह केवल भाड़ा सहित लागत मूल्य है और, इसमें आयात शुल्क, अवतरण शुल्क, सम्भाल खर्च, भण्डारण शुल्क, अन्तर्देशीय भाड़ा आदि शामिल नहीं हैं।

(ग) 1 जून, 1974 से प्रमुख आयातित उर्वरकों के खुदरा मूल्य इस प्रकार हैं :—

उर्वरक का नाम	खुदरा मूल्य (रुपये प्रति मीटरी टन)
यूरिया	2000
अमोनियम सल्फेट	935
कैलशियम अमोनियम नाइट्रेट (26 प्रतिशत एन)	1145
मूरेट ऑफ पोटाश	1220
अमोनियम नाइट्रेट-फॉस्फेट	1855
डाई-अमोनियम फॉस्फेट	3005

(घ) उर्वरकों की खपत और उत्पादन के अभी तक पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक के ही अनुमान लगाये गये हैं। इन अनुमानों के अनुसार 1978-79 में 52 लाख मीटरी टन नाइट्रोजन और 18 लाख मीटरी टन पी $_2$ ओ $_5$ की आवश्यकता होगी, जबकि देश में 40 लाख मीटरी टन नाइट्रोजन और 12 लाख मीटरी टन पो $_2$ ओ $_5$ का उत्पादन होने का अनुमान है। देश में पोटाश उर्वरकों का उत्पादन नहीं किया जा रहा है।